नवभारत
इंदौर, शनिवार, 9 मई, 2026

जिले में हजारों टन गेहूं नहीं पहुंचा गोदामों में

करोड़ों का गेहूं खरीदी केंद्रों पर खुले में पड़ा है, बारिश हुई तो भारी नुकसान की आशंका

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। सोसायटी स्तर पर खरीदी केंद्र पर किसानों द्वारा खरीदा गया गेहूं रखा हुआ है, जिसके धूप और बारिश के कारण लगातार खराब होने खतरा मंडरा रहा है। अफसर परिवहन में तेजी लाने के बजाय ढील दे रहे हैं। जिससे जहां सरकार को करोडों रुपये का नुकसान हो सकता है। समिति प्रबंधक भी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कहीं खराब अनाज की वजह से उन पर कार्रवाई न हो जाए या कसानों का भुगतान रुके। परिवहन नहीं होने से खरीदी की चाल भी धीमी है।

खरीदी केंद्र पर सोसायटी प्रबंधक लगातार गेहूं का परिवहन करने ट्रांसपोर्टर मांग कर रहे बावजूद इसके परिवहन धीमी गति से हो रहा है। खरीदे गए गेहूं की सुरक्षा के किसी प्रकार के इंतजाम नहीं है जबकि इतनी बड़ी मात्रा में अनाज की बोरियां खुले आसमान के नीचे पड़ी हुई है। ऐसे में प्रतिदिन होने वाली बारिश से हजारों क्विंटल गेहूं खराब हो रहा है।

दिन में वजन की जा रही उपज

जानकारी के मुताबिक, उपार्जन केंद्रों पर खरीदी के मान से परिवहन नहीं हो रहा जबकि परिवहन के लिए ठेकेदार के द्वारा पर्याप्त वाहन की व्यवस्था नहीं कराई जा रही है।इसके अलावा खरीदी केंद्रों पर अब बड़े किसानों को ज्यादा मात्रा में एनआईसी से संदेश आ रहे हैं। किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है।मैंने स्वंय कई केंद्रों पर जाकर स्थिति का जायजा लिया है, केंद्रों पर कई कमियां है और किसानों को गेहूं बेचने के लिए कई दिन तक कतार में खड़ा होना पड़ रहा है। सरकार को नींद से जागना चाहिए और किसानों के हित में तोल कांटे बढ़ाने, माल परिवहन करने पर ध्यान देना चाहिए। किसान इस सरकार को माफ नहीं करने वाले हैं। 84 प्रतिशत उपार्जन केंद्रों से खरीदी एवं 16 प्रतिशत शेष गेहूं उठाना बाकी है। अभी तक जिले की संपूर्ण सोसायटी स्तर पर उपार्जन केंद्रों से करीब 84 प्रतिशत उपार्जन केंद्रों से गेहूं उठा लिया है। वही 16 प्रतिशत शेष गेहूं उपार्जन केंद्रों से शेष कार्य प्रगति शील है। कुछ सोसायटियों पर लेबर की कमियों के कारण भी माल नही उठ पाया है। जिले की संपूर्ण सोसायटी स्तर पर उपार्जन केंद्रों में रखा गेहूं को उठाने के लिए परिवहन कर्ता को पुन: निर्देश दिए गए है।

खुले में संचालित इन उपार्जन केंद्रों से बारिश के कारण काफी मुश्किलें आ रही हैं।करीब करोड़ों रुपए का गेहूं हजारो टन का नहीं हुआ परिवहन इसका मुख्य कारण है परिवहन ट्रांसपोर्टर की बड़ी लापरवाही है।

मधुर खरद डिस्ट्रिक्ट मैनेजर स्टेट सिविल सप्लाई खरगोन:- सोसायटी स्तर पर उपार्जन केंद्रों में किसानों से यदि गेहूं की खरीदी हो चुकी है तो करीब 24 घंटे से 72 घंटे भीतर परिवहन कर्ता द्वारा सोसायटी स्तर पर उपार्जन केंद्रों से गेहूं उठाना चाहिए।

अमिताभ शुक्ला खाद्य फूड अधिकारी बड़वाह:- सोसायटी स्तर पर उपार्जन केंद्रों में गेहूं की खरीदी भी हो रही है।जिसके कारण कुछ स्टॉक भी पड़ा हुआ है। वाहन सभी केंद्रों पर भेजे गए है लेबर की परेशानी के कारण वाहन कुछ सोसायटी केंद्रों से माल नहीं भर पा रहे है जल्द ही जितने भी केंद्रों पर शेष गेहूं को वाहनों से परिवहन कर दिया जाएगा।

अब तक खरीदी और परिवहन ट्रांसपोर्टर की लापरवाही:- शासन ने 01अप्रैक्षेस से किसानों की उपज को समर्थन मूल्य पर खरीदना शुरू किया था। जब से खरीदी शुरू हुई है तब से लेकर 07 मई तक जिले में वेयर हाउस एवं उपार्जन केंद्रों की करीब 40 हज़ार टन से अधिक की खरीदी हो चुकी है।वही उपार्जन केंद्र बाग़ोद बलवाडा करही बड़वाह कानापुर बडुद भूलगांव पिपलगोन सहित जिले के अन्य केंद्रों में करीब हजारों टन गेहूं केंद्रों पर उपज पड़ी हुई है, जिसका परिवहन बहुत जरूरी है।

आरोह 2026 : एसपी ऑफिस में अहम बैठक

खरगोन, निप्र। जिले में बच्चों एवं युवाओं के सर्वांगीण विकास, खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' की तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।

इसमें शिविर के सफल संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था तथा विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा ने कहा कि यह शिविर केवल खेल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों एवं युवाओं के व्यक्तित्व विकास, फिटनेस और सामाजिक जागरूकता का भी सशक्त माध्यम बनेगा।

खेल भावना विकसित कर विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता, गुड टच-बैड टच की जानकारी देने के साथ-साथ बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने, अनुशासन एवं आत्मविश्वास विकसित करने के उद्देश्य से खेलों को जीवन का अहम हिस्सा बनाने की बात कही। जिला खेल अधिकारी पवी दुबे ने जानकारी दी कि 'आरोह 2026' ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 मई 2026 से 10 जून 2026 तक खरगोन सहित जिले के सभी विकासखंडों में किया जाएगा। शिविर में विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा।

उन्होंने जिले के अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से सुबह एवं शाम खेल मैदान तक पहुंचाकर खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि बच्चे खेलों के माध्यम से स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर नागरिक बन सकें। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती कविता आर्य, श्री हबीब बेग मिर्जा, श्री दीपक वाग सहित खेल विभाग के ब्लॉक समन्वयक एवं विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

पाइप लाइन बदलने में लापरवाही को लेकर बिस्टान में सीएमओ पर कार्रवाई की मांग

बिस्टान, निप्र। नगर परिषद बिस्टान में पुरानी पेयजल पाइपलाइन बदलने में अनियमितता को लेकर सीएमओ पर गंभीर आरोप लगे हैं। इस अनियमतता से नाराज होकर सीएमओ के खिलाफ खुद नगर परिषद अध्यक्ष डेमासिंग नार्वे सहित उपाध्यक्ष और समस्त पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है।

शुक्रवार को मुख्यालय पहुंचे अध्यक्ष सहित पार्षदों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को कलेक्टर के नाम शिकायती ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मुख्य नगरपालिका अधिकारी संतोष कुमार पाराशर पर मनमानी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। नगर परिषद अध्यक्ष डेमसिंह नार्वे ने शिकायती आवेदन में बताया कि मध्यप्रदेश शासन भोपाल ने नगर परिषदों में पुरानी जीर्ण-शीर्ण पाइपलाइन बदलने के आदेश दिए थे। बिस्टान में भी पाईप लाईन बदली जानी थी। बिस्टान में सीएमओ संतोष कुमार पाराशर ने बिना परिषद की बैठक लिए पुरानी पेयजल पाइपलाइन बदलने की डीपीआर तैयायर कर टैंडर भी लगा दिया। इस डीपीआर को परिषद/ पीआईसी से 1 करोड़ 5 लाख 89 हजार 95 रुपए की स्वीकृति भी मनमाने ढंग से कराई गई। शिकायत में आरोप लगाया कि सीएमओ ने परिषद/ पीआईसी की बैठक में इस संबंध में कोई जानकारी नहीं रखी और न ही पार्षद को जानकारी दी गई।

डेमासिंग नार्वे ने बताया कि सीएमओ की लापरवाही के कारण नगर की व्यवस्था बिगड़ रही है। कई वार्डों में अब भी पुरानी पाइपलाइन होने से नागरिकों को गंदा पानी मिल रहा है। इस योजना का लाभ नहीं मिलने से सभी पार्षद आक्रोशित हैं। पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर सीएमओ को नहीं हटाया गया, तो सभी पार्षद धरने पर बैठेंगे। उन्होंने सीएमओ को हटाकर योजना संबंधी जानकारी सार्वजनिक करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

स्थाई रास्ता नहीं होने से 17 करोड़ का प्लांट बना शो पीस

खरगोन, निप्र। नगर पालिका परिषद ने करोड़ों रुपए की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण तो कर दिया, लेकिन प्लानिंग में कमी के कारण पहुंच मार्ग का ध्यान नहीं रखा गया, नतीजतन करीब 17 करोड़ की लागत से बना ट्रीटमेंट प्लांट महज शो-पीस बना हुआ है।

ऐसे में शहर से हर दिन निकलने वाला सीवरेज का गंदा पानी ट्रीटमेंट सही तरीके से नही होने के कारण कुंदा सहित अन्य भू-जल स्रोतों को भी प्रदूषित कर रहा है। नगर पालिका के अधिकारी अब इस प्लांट तक पहुंचने के वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं। शुक्रवार को नपाध्यक्ष छाया जोशी, सीएमओ कमला कोल, स्वच्छता अधिकारी प्रकाश चित्ते व राजस्व की टीम ने उन इलाकों की खाक छानी जहां से प्लांट तक पहुंचने की राह आसान हो सकती है। प्लांट की क्षमता 17.6 एमएलडी है, जो शहर की मौजूदा जरूरत से कम है। कुछ मशीनों के बंद होने के कारण यह पूरी क्षमता से काम भी नहीं कर पा रहा है। करीब दो लाख आबादी वाले शहर में प्रतिदिन 30 एमएलडी से अधिक गंदे पानी की निकासी होती है, लेकिन इसके शोधन के लिए लगभग तीन साल पहले 17 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक अब तक पहुंच मार्ग ही नहीं बन पाया है। शुक्रवार को नपाध्यक्ष सहित अफसरों ने पहले प्लांट का निरीक्षण किया।

उन्होंने प्लांट को पूरी क्षमता से शुरू करने के लिए सभी आवश्यक कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि शहर के आठ से अधिक नालों से गंदा पानी सीधे कुंदा नदी में मिल रहा है, जो आगे चलकर नर्मदा नदी को प्रदूषित करता है। इसी समस्या के समाधान के लिए करीब 50 करोड़ रुपए खर्च कर सीवरेज लाइन बिछाई गई थी और इस प्लांट को 2050 की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर बनाया गया था। हालांकि, वर्तमान में प्लांट शहर के पूरे गंदे पानी का भी ट्रीटमेंट नहीं कर पा रहा है। भविष्य में अमृत 2-0 योजना के तहत चार और वार्डों में सीवरेज लाइन बिछने से गंदे पानी की मात्रा और बढ़ेगीए, जिससे प्लांट की क्षमता बढ़ाना अनिवार्य होगा।

जघन्य हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से किया दंडित

बड़वाह, निप्र। बड़वाह थानाक्षेत्र के बेलसर में की शराब के नशे में गाली-गलौच एवं मामूली विवाद के चलते की गई हत्या मामले में न्यायालय ने दोष सिद्ध होने पर दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। पुलिस ने इस मामले को जघन्य एवं चिन्हित अपराध की श्रेणी में रखा था।

प्रकरण के पैरवीकर्ता सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी संदीप श्रीवास्तव ने 6 फरवरी 2025 को थाना बड़वाह क्षेत्र अंतर्गत विमलेश्वर मंदिर के कच्चे रास्ते पर गौशाला के पास मृतक ओमप्रकाश का शव सड़क पर पड़ा मिला था। इसी सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल निरीक्षण, भौतिक साक्ष्यों के संकलन किया। जांच के दौरान साक्षियों ने बताया कि 5 फरवरी.2025 को मृतक ओमप्रकाश को कमलेश केवट एवं राजेश डुडवे के साथ शराब पीते देखा गया था। फोन पर बातचीत के दौरान दोनों आरोपियों द्वारा मृतक के साथ मारपीट की गई थी। अनुसंधान में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने शराब के नशे में गाली-गलौच एवं मामूली विवाद के चलते मृतक के साथ मारपीट कर उसकी हत्या की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण को जघन्य, सनसनीखेज एवं चिन्हित श्रेणी में शामिल किया गया। विवेचना के बाद अभियोग पत्र बड़वाह न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां विचारण उपरांत 7 फरवरी को न्यायालय ने आरोपी कमलेश पिता गेंदालाल एवं राजेश पिता बलीराम डुडवे को दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास एवं 25 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

एक नजर में

44 डिग्री की तपिश में भारत सिंह सोलंकी ने 210 घरों की जनगणना का 100 प्रतिशत कार्य किया पूर्ण

ओपन हार्ट सर्जरी के बाद भी नहीं थमा जज्बा, दिल सिर्फ 20 फीसदी साथ

नवभारत न्यूज

बिस्टान, निप्र। भीषण गर्मी, कठिन परिस्थितियां और गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियां... इन सबके बीच जहां कई लोग जिम्मेदारियों से बचने के रास्ते तलाशते नजर आते हैं, वहीं बड़वाह ब्लॉक के ग्राम दसोड़ा के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ सामाजिक विज्ञान के शिक्षक भारतसिंह सोलंकी (घोंसला) ने अपने साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चाएं हो रही है।

44 डिग्री की झुलसा देने वाली गर्मी में भी भारत सिंह सोलंकी रोज सुबह 6 बजे गांव के लिए निकल पड़ते थे। उन्हें ग्राम दसोड़ा के 210 घरों की जनगणना का दायित्व मिला था, जिसे उन्होंने महज चार दिनों 4 से 8मई के बीच शत-प्रतिशत पूरा कर लिया। घर-घर जाकर उन्होंने जनगणना एप पर जानकारी दर्ज की और ग्रामीणों के अनेक सवालों का धैर्यपूर्वक जवाब भी दिया। ग्रामीणों द्वारा परिवार, दस्तावेज, जानकारी के उपयोग और जनगणना प्रक्रिया को लेकर पूछे गए प्रश्नों का उन्होंने सहजता और आत्मीयता से समाधान किया। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को यह भी समझाया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश और गांव के विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने लोगों को बताया कि जनगणना के आधार पर ही शासन द्वारा सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं की योजनाएं तैयार की जाती हैं। वे अक्सर ग्रामीणों से कहते थे— 'हमारी जनगणना, हमारा विकास है।' उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि इस पूरे कार्य के दौरान उन्होंने किसी का सहयोग नहीं लिया। भीषण गर्मी के बीच वे अकेले ही अपने लक्ष्य की ओर लगातार डटे रहे। दोपहर में गांव में ही अपना टिफिन खाकर थोड़ी देर विश्राम करते और फिर दोबारा पूरी ऊर्जा के साथ कार्य में जुट जाते। उनकी यह कार्यशैली ग्रामीणों के बीच भी चर्चा का विषय बनी रही। उनकी कहानी को और विशेष बनाती है उनकी स्वास्थ्य स्थिति। वर्ष 2011 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी है और वर्तमान में उनका हृदय केवल 20 प्रतिशत ही कार्य कर रहा है। हर महीने 20 से 25 हजार रुपये तक की दवाइयों पर खर्च होने के बावजूद उन्होंने कभी बीमारी को अपनी जिम्मेदारियों के आड़े नहीं आने दिया। भारत सिंह सोलंकी का मानना है की 'कार्य करते रहेंगे तो ही स्वस्थ रहेंगे। बीमारी को पालकर बैठना, उसे और बढ़ाना है।' यही सकारात्मक सोच उन्हें निरंतर ऊर्जा देती है। शासकीय दायित्वों के साथ-साथ वे खेती-किसानी के कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। उनका विश्वास है कि सक्रिय जीवनशैली ही अच्छे स्वास्थ्य का सबसे बड़ा आधार है। गंभीर बीमारी के बावजूद उनका यह समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यभाव पूरे शिक्षा जगत के लिए प्रेरणा बन गया है।

एक नजर में

बिना अनुमति खोदी साइड सोल्डर पटरी को भरा, पाइप भी हटाए

कसरावद, निप्र। नावडाटौडी से कसरावद के बीच लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) की मुख्य सड़क मार्ग पर जल आवर्धन योजना के तहत बिना अनुमति साइड सोल्डर पटरी खोदकर पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा था। खुदाई के कारण सड़क किनारा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन गया था। आमजनों ने मामले की शिकायत लोनिवि विभाग से की, जिस पर संबंधित अधिकारियों ने तत्काल कार्य रुकवाया। अखबार में खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने पर विभाग और संबंधित एजेंसी हरकत में आई। खबर प्रकाशित होते ही खोदी गई साइड सोल्डर पटरी को मिट्टी डालकर भर दिया गया। वहीं सड़क किनारे रखे गए पाइप भी मौके से हटा लिए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अजय मंडलोई ने नवभारत संवाददाता बताया कि रात के समय दुर्घटना की आशंका को देखते हुए की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों ने राहत महसूस की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होने से संभावित हादसों को टाला जा सका। लोगों ने प्रशासन और मीडिया की पहल की सराहना करते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी रखने की मांग की है।

नवीन कार्यकारणी का गठन

बड़वाह, निप्र। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष श्री विजयराय सुनहरे तथा पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार खेड़े की अनुशंसा पर बड़वाह ब्लॉक एवम तहसील की नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। ज्ञात हो कि पूर्व में गठित कार्यकारिणी का 3 वर्ष का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात नवीन कार्यकारणी का गठन संघटन के दिशा निर्देशानुसार किया जाता रहा है। जिला अध्यक्ष श्री विजयराय सुनहरे एवम जिला सचिव श्री श्याम पाटीदार द्वारा ब्लॉक कार्यकारणी हेतु अध्यक्ष के पद पर जितेंद्र सैते पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, सचिव के पद पर दिलीप चौरे माध्यमिक शिक्षक शिक्षा विभाग, कोषाध्यक्ष के पद सुखलाल नार्वे लिपिक NVDA को नियुक्त किया गया तथा तहसील कार्यकारणी हेतु अध्यक्ष टी आर क़ानूडे स्वास्थ्य विभाग, सचिव भुवनेश पाराशर उच्च माध्यमिक शिक्षक शिक्षा विभाग, कोषाध्यक्ष भूतेश हिरवे उच्च माध्यमिक शिक्षक शिक्षा विभाग को नियुक्त किया गया। श्री सुनहरे जी द्वारा नव नियुक्त पदाधिकारीयो को टीम भावना से कर्मचारी हितों में कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए बताया कि यह संघटन शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संघटन होकर प्रदेश के समस्त 52 विभागों का प्रतिनिधित्व करता है। अत: अधिक से अधिक कर्मचारियों को मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ से जोड़ने हेतु प्रयास करे ताकि संघटन को मजबूती मीले। साथ ही कार्यकारणी के शेष सदस्यों की भी शीघ्र नियुक्ति कर जानकारी जिले में प्रेषित करने हेतु कहा गया। इस अवसर पर बड़वाह ब्लॉक के कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त कर नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की। बधाई कर्ता चंद्रपालसिंह कुशवाह धीरज सिंह तोमर, यशवन्त जोशी, प्रमोद शिवपुरे, अमित गुप्ता, उस्मान खान, फय्याज खान, राजेश शुक्ला, राजेन्द्र चौहान, पंकज चौधरी, महावीर पटेल, पंकज कौशल, शैलेन्द्र सोहनी, विजय कर्मा, अजय पाल, विशाल सोनी, सुनील भालेकर एवम विभिन्न विभागों के कर्मचारी संघटन के पदाधिकारीगण।

रेड क्रॉस दिवस पर व्याख्यान माला और सम्मान समारोह

खरगोन, निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय, खरगोन के वाणिज्य विभाग में रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर व्याख्यान माला एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी. एस. चौहान ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. ओ.एस. मेहता ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के उद्देश्यों व गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्व के लगभग 190 देशों में रेड क्रॉस मानवता की सेवा से जुड़े कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में रेड क्रॉस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सेवा-कार्य आधारित गतिविधियों—जैसे नशा मुक्ति अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम तथा रेड क्रॉस संगोष्ठी—का आयोजन कर समाजसेवा का संदेश दिया गया। प्राचार्य डॉ. जी. एस. चौहान ने महाविद्यालय रेड क्रॉस प्रभारी डॉ. विवेक सोलंकी एवं उनकी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित डॉ. रविंद्र बर्वे, डॉ. आर.एस. चौहान, डॉ. रूपेश जमरे, डॉ. विवेक सोलंकी, डॉ. मुकेश सस्त्या, प्रो. धर्मेंद्र अलावा एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

GEM 2026 के लिए दूसरे चरण की मूल्यांकन प्रक्रिया भी हो गई पूर्ण

खरगोन, निप्र। सामुदायिक विकास एवं बालिका सशक्तिकरण के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता के अंतर्गत, एनटीपीसी खरगोन द्वारा बालिका सशक्तिकरण अभियान (GEM) 2026 के आयोजन हेतु द्वितीय चरण के अंतर्गत मेडिकल परीक्षण, दस्तावेजीकरण एवं एंथ्रोपोमेट्रिक आकलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह पहल एनटीपीसी की प्रमुख सीएसआर पहलों में से एक को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस चरण में आसपास के शासकीय विद्यालयों से चयन प्रक्रिया के माध्यम से 19 अतिरिक्त बालिकाओं का चयन किया गया। ग्रामीण एवं वंचित पृष्ठभूमि से आने वाली इन प्रतिभागियों ने एनटीपीसी खरगोन में आयोजित बेसलाइन आकलन प्रक्रिया में भाग लिया, जो कार्यक्रम की अवधि के दौरान उनके विकास एवं प्रगति के मूल्यांकन हेतु महत्वपूर्ण आधार के रूप में कार्य करेगी। पूरी प्रक्रिया एक सुव्यवस्थित एवं सहयोगात्मक वातावरण में सम्पन्न की गई, जो प्रतिभागी बालिकाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं समग्र विकास के प्रति एनटीपीसी खरगोन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बालिका सशक्तिकरण अभियान (त्नश्वरू) का उद्देश्य किशोर बालिकाओं में आत्मविश्वास, संवाद कौशल, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मसम्मान का विकास करना है। संरचित शिक्षण मॉड्यूल, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, मार्गदर्शन एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों के माध्यम से यह पहल बालिकाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम एवं आत्मविश्वासी व्यक्तित्व के रूप में विकसित करने का प्रयास करती है।